Roll No……
Signature of Invigilator ……

Paper Code

PGD-VD-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester-II

संस्कृतसाहित्यम्

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोटः यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. मुण्डकोपनिषद् में वर्णित निम्न मंत्रों को पूर्ण करते हुये उनकी विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

(i) भिद्यते हृदय ग्रन्थिः.....। (iii) न तत्र सूर्यो भाति.....।

(ii) हिरण्मये परे कोशे.....। (iii) ब्रह्ममैवेदम् अमृतं पुरस्ताद्.....।

2. तैत्तिरीय उपनिषद् के अष्टम अनुवाक में वर्णित आनंद मीमांसा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये- ''भीषास्माद वातः पवते..... ..... एतम्-आनंदमयम् आत्मानम् उपसंक्रामति।''

3. श्वेताश्वतर उपनिषद् के प्रथम अध्याय के प्रथम तीन मंत्रों के माध्यम से ऋषियों द्वारा ध्यानयोग से जगत् के वास्तविक कारण परमेश्वर की अचिन्त्य आत्मशक्ति के साक्षात्कार का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

4. तैत्तिरीय उपनिषद् के निम्न मंत्रों को पूर्ण करते हुये उन्हें समझाइये-

(i) अहं वृक्षस्य रेरिवा.....। (iii) वेदम् अनूच्य आचार्यः.....।

(ii) मातृदेवो भव पितृदेवा भव.....।

5. निम्नलिखित मंत्रों को भावार्थ सहित स्पष्ट कीजिये-

(i) स य एषोऽन्तर्हृदय आकाशः.....।

(ii) आप्नोति स्वाराज्यम.....।

(iii) आकाशशरीरं ब्रह्मम्.....।

(iv) ऋतं च स्वाध्याय प्रवचने च .....।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. ''धनुर्गृहीत्वौपनिषदं महास्त्रं.....।'' तथा ''प्रणवो धनुः .....। मंत्रों के माध्यम से धनुष और वाण के रूपक द्वारा परब्रह्म प्राप्तिरूपी लक्ष्य का निरूपण कीजिये।

7. अथ यदि ते कर्मविचिकित्सा वा वृत्तविचिकित्सा वा स्यात्.....।'' मंत्र की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिये।

8. (i) सत्यं ज्ञानम् अनंतं ब्रह्म.....। (ii) यतो वाचो निवर्तन्ते.....। मंत्रों के माध्यम से ब्रह्म के स्वरूप एवं ब्रह्म प्राप्ति के फल को स्पष्ट कीजिये।

9. श्वेताश्वतरोपनिषद् में वर्णित ध्यान योग के लिये आसन तथा प्राणायाम की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिये।

10. ध्यान की सिद्धि के लिये परमेश्वर से प्रार्थना सम्बन्धित किन्हीं दो मंत्रां भावार्थ सहित स्पष्ट कीजये।

11. तैत्तिरीय उपनिषद् के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति की प्रक्रिया को समझाइये - ''सोऽकामयत्। बहुस्यां प्रजायेयेति.....।''

12. छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार - ''यो वै भूमा तत् सुखम्' के उपदेश को वर्णन कीजिये।

----------X----------